



राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बुनियादी सिद्धांतों पर आधारित 'गीतांश हिंदी पाठ्यपुस्तक' शिक्षा के नवीन आयामों को दर्शा रही हैं। इस शृंखला के माध्यम से 21वीं सदी में शिक्षा के विकास में महत्वपूर्ण घटकों के रूप में सीरियने पर ज़ोर दें रहे हैं। 'गीतांश' पुस्तक शृंखला में कक्षा 1 से 8 तक के अभ्यासों और गतिविधियों की एक सुदृढ़ योजना बनाई गई है। भाषा के सभी कौशलों "सुनने, बोलने, पढ़ने, लिखने" का विकास पाठ्यपुस्तकों के द्वारा ही संभव हो पाया है। नई शिक्षा नीति के पहलुओं को ध्यान में रखते हुए इस शृंखला की सभी पुस्तकों में पाठों की संख्या को सीमित रखा गया है।

**राष्ट्रीय
शिक्षा नीति
2020**

‘गीतांश’ शृंखला के माध्यम से नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 में संरचनाओं एवं संकल्पनाओं को आकर्षक चित्रों व कविताओं के माध्यम से सुसज्जित किया गया है।

एकीकृत परियोजना

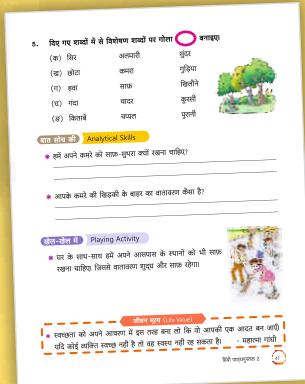
एकीकृत परियोजना के माध्यम से शिक्षा और संस्कृति के बीच संबंधों को मज़बूत करके ज्ञान और कौशल को जोड़ा है।

विषय एकीकरण

शृंखला में विभिन्न विषयों और विधाओं का समावेश सम्मिलित है।

कला एकीकरण

शून्खला में बच्चों की सोच को प्रोत्साहित करने के लिए कलात्मक गतिविधियाँ दी गई हैं।



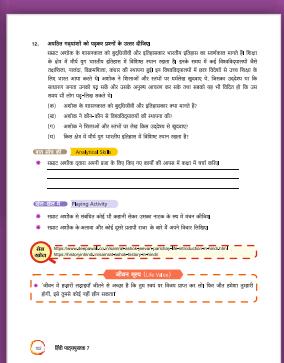
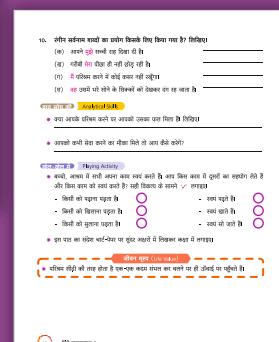
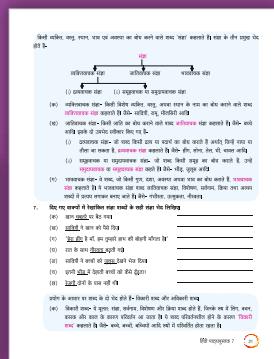
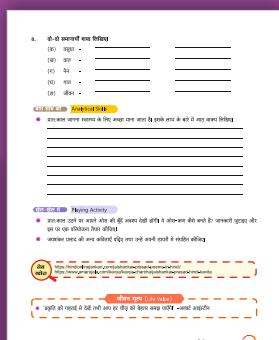
प्रयोगात्मक ज्ञान

शृंखला में बच्चों के लिए सहयोगात्मक और खोजपूर्ण गतिविधियों का समावेश प्रस्तुत किया गया है।

भाषा कौशल व्याकरण के व्यावहारिक पक्ष पर बल

जीवन कौशल
वास्तविक जीवन पर
आधारित
कार्य कौशल

परियोजना कार्य पाठ पर आधारित कार्य



जीवन मूल्य पुस्तक
में जीवन मूल्य
व ज्ञान के प्रयोग
को प्राथमिकता

वेब खोज पाठों में
गतिविधियों
को इंटरनेट
लिंक के द्वारा
विषयों की
खोज करना

21वीं सदी की शिक्षा प्रणाली

मनोरंजक, आकर्षक एवं रचनात्मक गतिविधियों के आधार पर लक्ष्य को विकसित करना।



विकासशील लक्ष्य

शिक्षा को बढ़ावा
देने के लिए समावेशी
और समान गुणवत्ता
निश्चित करने के
अवसर

शिक्षण के अवसर

पाठ के अंत में बच्चों को स्पष्ट लक्ष्य प्राप्त हो।

शिक्षा नियमावली में पाठ योजना का मिश्रण, बोधगम्यता, शब्दावली, व्याकरण और लेखन कार्य दिए गए हैं।

बच्चों को व्यक्तिगत सुरक्षा और सामाजिक परिस्थितियों के बारे में प्रोत्साहित करने के लिए, क्या करें और क्या न करें की जानकारी कॉमिक स्ट्रिप्स के द्वारा दी गई है।

पर्वतारणा

- प्रत्यक्ष के अधिकारी हैं।
 - वे एक विशेष रूप से विद्युत विभाग का द्वारा दिया जाना है।
यह एक विशेष विभाग है जो वे एक विशेष रूप से विद्युत विभाग
की ओर से विद्युत विभाग के लिए बना है।
 - विद्युत विभाग के अधिकारी हैं। इसमें वे एक विशेष रूप से विद्युत विभाग
की ओर से विद्युत विभाग के लिए बना है।
 - पात्र हैं। अतः, विद्युत विभाग की विधि के लिए विद्युत विभाग
की ओर से विद्युत विभाग के लिए बना है।
 - विद्युत विभाग की विधि के लिए विद्युत विभाग
की ओर से विद्युत विभाग के लिए बना है।
 - विद्युत विभाग की विधि के लिए विद्युत विभाग
की ओर से विद्युत विभाग के लिए बना है।
 - विद्युत विभाग की विधि के लिए विद्युत विभाग
की ओर से विद्युत विभाग के लिए बना है।

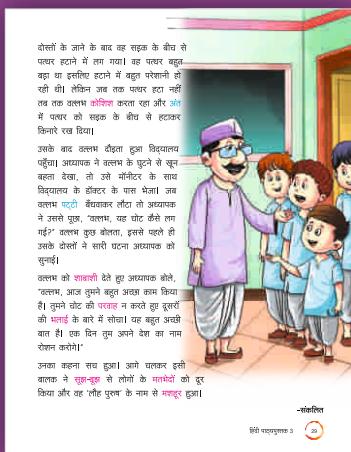
नवीन विद्यालय के एक सभा में निम्नलिखित विषय पर विचार किया गया।
विद्यालय के अधिकारी ने इसी सभा में निम्नलिखित बहुमत घोषित किया।



मूल्यांकन



प्र० ३



छठ पजा : एक पर्व

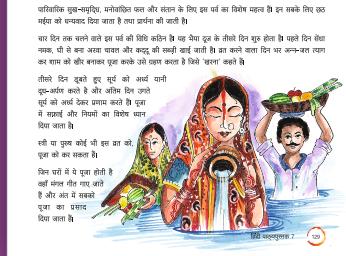
भारतवर्ष में छठ पूजा सूर्योदयना का एक सिद्धान्त पर्व है। सूर्योदयना का यह अनुपम दर्श-मूल्य रूप से बिहार, झारखण्ड, पूर्वी उत्तर भ्रंगा और नेपाल में मनाया जाता है।

छठ पर्व खिलारीयों का लखने वाला पर्व है। पर्व खिलारीयों की बिहार की लैटिन अमेरिकी की कलाकृति है। एक मास से ज्यादा ही जो बिहार में लैटिन कारवाई करते हैं उन्हाँहोंने यहाँ सुनाया है कि इस खिलारीयों का नाम यहाँ पर्वन, यहाँ पर्वन, और अपने पर्वन पर्व है जो खिलारीयों में घृणा-प्रभाव से भयानक जाता है। छठ पर्व में कोई मृता युवा की जाती है। यह खिलारीयों नामक वर्षावान अजुबायी तीव्रों

ही पे उमा, सूर्य प्रमृति, जल, गायु और उनकी बहन छठी मईया को समर्पित है।

छठ पर्व साल में दो बार मनाया जाता है। पहली बार सेत में व दुसरी बार अर्थिक में। क्षेत्र शुक्ल-दक्षा वर्षी में मनाए जाने गए छठ पर्व को 'पैती छठ' और स्वर्णिनी शुक्ल-यद वर्षी में मनाए जाने गए पर्व को 'अर्थिक

मनुष्य का जीवन कालीन विषय है। यहाँ से भी आरोग्य का नुसार वह बदला ये कहाँहै कि जीवन का यह विषय अतिरिक्त छठा वाहा है।



AVAILABLE

● Teacher's Manual

- Teacher's CD

• App

• Web Support

एडयूलाइन पब्लिशर्स

101 हिमालिका बिल्डिंग, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स मुखर्जी नगर, दिल्ली-110 009 (भारत)

दरभाष: 011-45668333, 79678140

ई-मेल: info@eduline.co.in; वेबसाइट: www.eduline.co.in

